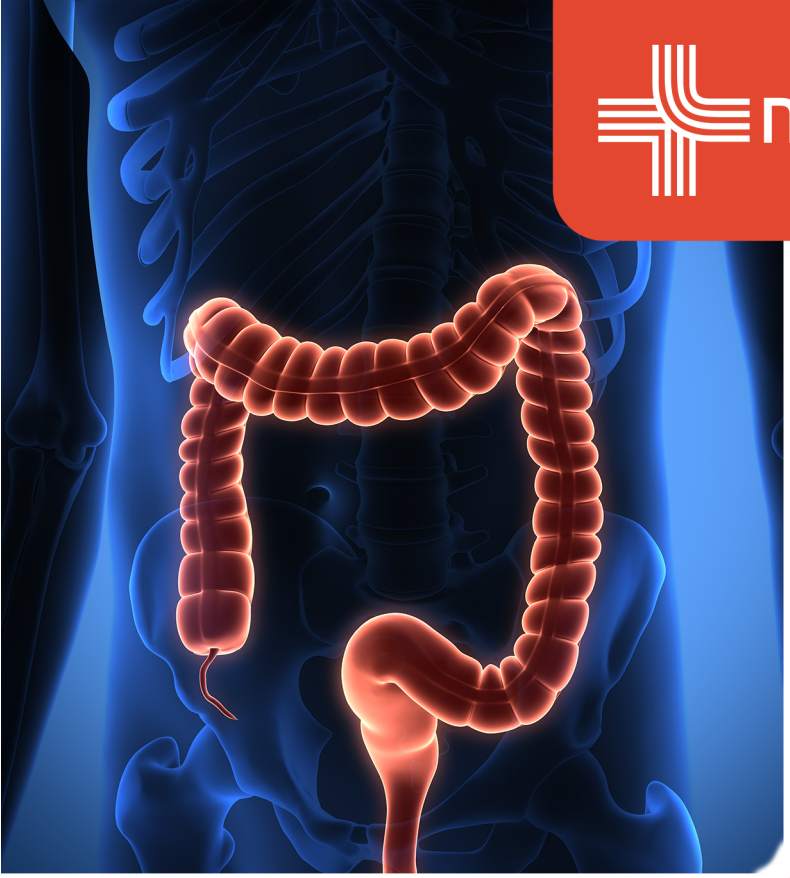

medanta

कोलोनोस्कोपी

INSTITUTE OF DIGESTIVE AND
HEPATOBILIARY SCIENCES

कोलोनोस्कोपी क्या है?

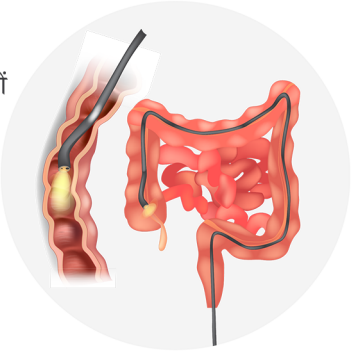

कोलोनोस्कोपी एक जाँच है जिसका उपयोग बड़ी आंत (कोलन) और मलाशय में सूजन, ऊतकों की असामान्य वृद्धि, पॉलिप्स, रक्तस्राव या कैंसर जैसे परिवर्तनों को देखने के लिए किया जाता है। कोलोनोस्कोपी के दौरान, डॉक्टर एक लंबी, लचीली ट्यूब (कोलोनोस्कोप) को मलाशय से अंदर डालते है। ट्यूब की नोक पर एक छोटे वीडियो कैमरे के द्वारा डॉक्टर संपूर्ण कोलन को देखते हैं।

कोलोनोस्कोपी की आवश्यकता कब पड़ती है?

डॉक्टर निम्नलिखित स्थितियों में कोलोनोस्कोपी करवाने की सलाह दे सकते हैं:

- गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल लक्षणों जैसे अज्ञात कारणों से होने वाला पेट दर्द, मलाशय से रक्तस्राव, शौच की आदतों में बदलाव, बिना किसी कारण वजन घटना, या लगातार दस्त
- विभिन्न कोलोरेक्टल स्थितियाँ, जैसे इंफ्लेमेटरी बोवेल डिजीस (आई.बी.डी), डायवर्टीकुलोसिस और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रक्तस्राव
- बड़ी आंत और मलाशय में सूजन, असामान्य वृद्धि, और पॉलीप्स
- बड़ी आंत और मलाशय के कैंसर
- आवश्यकता होने पर, डॉक्टर कोलोनोस्कोपी द्वारा असामान्य वृद्धि और पॉलिप्स को हटा सकते है और बायोप्सी टिश्यू लेते हैं
- जिन व्यक्तियों के परिवार में कोलोरेक्टल कैंसर का इतिहास है या ऐसी आनुवंशिक स्थितियाँ हैं जो कैंसर के खतरे को बढ़ाती हैं, कोलोनोस्कोपी स्क्रीनिंग में मदद करती है।

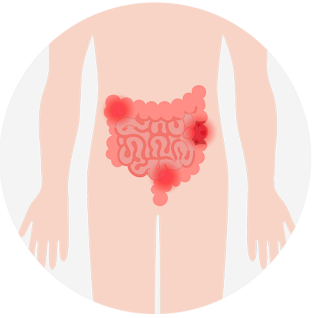

कोलोनोस्कोपी से पहले क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

कोलोनोस्कोपी से पहले मरीज़ को निम्नलिखित सावधानियां बरतनी चाहिए:

- डॉक्टर से प्रकिया को पूरी तरह से समझें।
- किसी भी प्रकार की दवा, आयोडीन या डाई से एलर्जी के बारे में डॉक्टर को अवगत कराएं।
- मरीज़ पहले से मौजूद बिमारी, गर्भावस्था, और चल रही दवाओं के बारे में डॉक्टर को पहले से अवगत कराएं।
- डॉक्टर परीक्षण से पहले एक से तीन दिनों तक ठोस भोजन से परहेज करने की सलाह देंगे।
- डॉक्टर परीक्षण से पहले पेट साफ़ करने के लिए मरीज़ को एनीमा देकर यह सुनिश्चित करते हैं कि परीक्षण के दौरान कोलन पूरी तरह से खाली हो।

कोलोनोस्कोपी के दौरान क्या होता है?

- कोलोनोस्कोपी में सामान्यतः 30 से 60 मिनट का समय लगता है।
- प्रक्रिया की शुरुआत में मरीज़ को लोकल या जनरल एनेस्थीसिया दिया जाता है।
- मरीज़ को एक करवट, मुख्यतः बाईं ओर, पर लिटाया जाता है।
- डॉक्टर एक कोलोनोस्कोप नामक एक लंबी, लचीली ट्यूब को मरीज़ के गुदा में डालते हैं।
- डॉक्टर कोलन की दीवारों की जांच करते है और किसी भी असमान्यताओं की तलाश करते हैं।
- आवश्यकता होने पर, डॉक्टर कोलोनोस्कोपी के दौरान पॉलिप हटा सकते हैं या ऊतक का नमूना ले सकते हैं।
- एनेस्थीसिया के कारण कोलोनोस्कोपी सामान्यतः एक दर्द-रहित प्रक्रिया है, परंतु कई बार मरीज़ को कुछ असहजता महसूस हो सकती है।

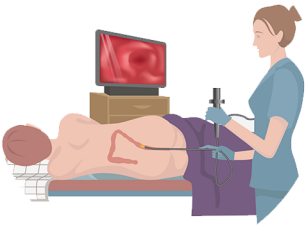

कोलोनोस्कोपी के बाद क्या होता है?

- कोलोनोस्कोपी के बाद डॉक्टर ब्लड प्रेशर और पल्स सामान्य होने तक मरीज़ को निगरानी में रखते हैं।
- प्रक्रिया के बाद मरीज़ को पेट में हल्का दर्द, गैस, या ऐंठन महसूस हो सकती है, जो कुछ समय में ठीक हो जाती है।
- कई बार मरीज़ मलाशय से थोड़ा रक्तस्राव महसूस कर सकते हैं जो सामान्य है।
- मरीज़ को उसी दिन घर भेजा जा सकता है या एक रात के लिए रुकने को कहा जा सकता है।
- मरीज 24 - 48 घंटे में अपनी दैनिक गतिविधियों में वापस जा सकते है।
- यदि बायोप्सी की गयी है तो परिणाम के लिए कुछ दिन की प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है।

कोलोनोस्कोपी के क्या जोखिम हो सकते हैं?

कोलोनोस्कोपी के संभावित जोखिम निम्नलिखित हैं:

- परीक्षण के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली एनेस्थीसिया के प्रति प्रतिक्रिया
- बायोप्सी या पॉलिप या अन्य असामान्य ऊतक हटाने वाले स्थान पर रक्तस्राव
- बड़ी आंत और मलाशय की दीवार में क्षति

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

यदि मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें:

- पेट में तेज दर्द और ऐंठन
- बुख़ार
- मल में खून आना
- चक्कर आना
- कमजोरी

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ